

प्रेषक

डा० राकेश कुमार,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
विद्यालयी शिक्षा,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

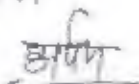
देहरादून दिनांक: 20 जनवरी, 2009

विषय:- राजकीय इण्टर कालेज, देवलीखेत, अल्मोड़ा के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 5ख1/28850/जीर्ण-शीर्ण/2008-09; दिनांक: 03 नवंबर, 2008 के संबंध में तथा शासनादेश संख्या: 526/XXIV-3/07/02(94)05; दिनांक: 26.3.08 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय राजकीय इण्टर कालेज देवलीखेत, अल्मोड़ा के कक्षा-कक्षों/चालू भवन निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित लागत रु० 36.00 लाख के सापेक्ष पूर्व में स्वीकृति धनराशि रु० 28.00 लाख को समायोजित करते हुए देय अवशेष धनराशि रु० 8.00 लाख (रु० आठ लाख मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में प्रश्नगत योजना में शासनादेश संख्या: 657/XXIV-3/08/02(37)2008; दिनांक: 16 अप्रैल, 2008 द्वारा आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रु० 1500.00 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (1)- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
- (2)- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- (3)- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (4)- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृत प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य टेकअप किया जाय।
- (5)- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मददे नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।



(2)

- (6)- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च-अधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल पर आवश्यकतानुसार एवं प्राप्त निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- (7)- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- (8)- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- (9)- निर्माण की गुणवत्ता के लिए सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी उत्तरदायी होगी, अनुमोदित लागत पर ही निर्माण कार्य को पूर्ण किया जाय। किसी भी दशा में आगणन को पुनरीक्षण नहीं किया जायेगा।
- (10)- निर्माण का पूर्ण किये जाने हेतु समय सारिणी निर्धारित करते हुए तथा कार्य की प्रगति की निरंतर समीक्षा करते हुए कार्य को समयबद्ध ढंग से शीघ्र पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

2- उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहां आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथा समय शासन एवं महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।

3.- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या: 11 के अधीन लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा-खेल-कूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-01-सामान्य शिक्षा-202-माध्यमिक शिक्षा-00-आयोजनागत-11-राजकीय हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट कालेजों के जीर्ण-शीर्ण भवनों का निर्माण- 24-वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग शासनादेश संख्या: 657/XXVII(1)/2008; दिनांक: 27 मार्च, 2008 में प्रदत्त निर्देशों के अनुक्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा० राकेश कुमार)  
सचिव

संख्या: 2223(1)/XXIV-3/2008/02(94)2005; तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० मुख्य मंत्री जी।

क्रमशः.....3

अर्पण

(3)

- 3- निजी सचिव, मा० शिक्षा मंत्री जी,।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, कुमायूँ मण्डल- नैनीताल।
- 6- अपर शिक्षा निदेशक, कुमायूँ मण्डल- नैनीताल।
- 7- जिलाधिकारी, अल्मोड़ा।
- 8- कोषाधिकारी, अल्मोड़ा।
- 9- जिला शिक्षा अधिकारी, अल्मोड़ा।
- 10- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 11- वित्त विभाग अनु०-03/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 12- कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग), उत्तराखण्ड शासन।
- 13- एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 14- संबंधित निर्माण एजेन्सी।
- 15- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

वर्मा

  
(पी०एल०शाह)  
उप सचिव।